RNI No#MPBIL/2013/49052

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार 28 मार्च से 3 अप्रैल 2026 भोपाल , मध्यप्रदेश से प्रकाशित वर्ष- 13 अंक-85 पृष्ठ- 8 मूल्य- रु. 5 /-

सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में भारी कटौती की !

पेट्रोल और डीजल पर ₹10 प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी घटाई; ईरान संकट के बीच आम जनता को राहत, ईंधन कीमतें स्थिर रहने की उम्मीद

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यू टी में बड़ी कटौती कर दी है। पेट्रोल और डीजल पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में ₹10 प्रति लीटर घटा दी गई है। यह फैसला ईरान-इजराइल युद्ध के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और घरेलू ईंधन बाजार में संभावित उछाल को रोकने के लिए लिया गया है।

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। इससे पहले पेट्रोल पर कुल एक्साइज ड्यूटी ₹21.50 प्रति लीटर और डीजल पर ₹14.50 प्रति लीटर थी। कटौती के बाद पेट्रोल पर कुल एक्साइज ड्यूटी घटकर ₹11.50 प्रति लीटर और डीजल पर ₹4.50 प्रति लीटर रह गई है।

सरकार का यह कदम आम उपभोक्ताओं को राहत देने और महंगाई को नियंत्रित रखने की दिशा में उठाया गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस कटौती से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिलहाल कोई बढ़ोतरी नहीं होगी, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती रहें।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, जनता की जेब पर बोझ नहीं बढ़ने देंगे। ईंधन कीमतों को स्थिर रखना हमारी प्राथमिकता है।

पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने इस फैसले का स्वागत किया है। उनका कहना है कि एक्साइज ड्यूटी में कटौती से पेट्रोल पंप मालिकों और उपभोक्ताओं दोनों को फायदा होगा।

विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम न सिर्फ महंगाई नियंत्रण में मदद करेगा, बल्कि परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की लागत को भी कम रखेगा। हालांकि, लंबे समय तक यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहीं तो सरकार को फिर से समीक्षा करनी पड़ सकती है।

ईरान-भारत ईंधन व्यापार फिर शुरू: जलडमरूमध्य खुलते ही पहला एलपीजी कार्गो इस सप्ताह आने वाला

हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होने के बाद ईरान से एलपीजी आयात बहाल, भारत को सस्ता ईंधन मिलने की उम्मीद; ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती

नई दिल्ली: ईरान और भारत के बीच ईंधन व्यापार दोबारा शुरू हो गया है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में हालिया तनाव कम होने और नौवहन मार्ग के खुलने के बाद ईरान से पहला एलपीजी (तरल पेट्रोलियम गैस) कार्गो इस सप्ताह भारत पहुंचने वाला है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, भारतीय रिफाइनरियों ने ईरान से लगभग 1.8 लाख टन एलपीजी का ऑर्डर दिया है। पहला शिपमेंट 11 या 12 अप्रैल को भारतीय बंदरगाह पर पहुंच सकता है। यह आयात पिछले कई महीनों में ईरान से भारत का पहला बड़ा ईंधन शिपमेंट है।

ईरान भारत का पारंपरिक और सस्ता एलपीजी आपूर्तिकर्ता रहा है। पिछले वर्ष हॉर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़े तनाव और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण आयात लगभग बंद हो गया था। अब स्थिति सामान्य होने के साथ दोनों देशों ने फिर से व्यापार बहाल करने का फैसला किया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ईरानी एलपीजी की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार से 8-12% सस्ती है। इससे घरेलू एलपीजी की कीमतों पर नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी और सब्सिडी का बोझ भी कम होगा। भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरत का लगभग 60% आयात करता है।

पेट्रोलियम सचिव ने कहा, ईरान से आयात शुरू होने से हमारी ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और विविधीकरण की रणनीति को भी बल मिलेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी आयात अंतरराष्ट्रीय नियमों और भुगतान व्यवस्था के अनुरूप किए जा रहे हैं।

ईरान से एलपीजी के अलावा क्रूड ऑयल और पेट्रोकेमिकल्स के आयात को भी जल्द बहाल करने की तैयारी चल रही है। इस विकास से भारतीय रिफाइनरी कंपनियां और एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स काफी राहत महसूस कर रहे हैं।

अवन्तेल को भारतीय रेलवे के रियल-टाइम ट्रेन ट्रैकिंग सिस्टम के लिए 460 करोड़ रुपये का ठेका मिला

आधुनिक सैटेलाइट-आधारित ट्रैकिंग सिस्टम से ट्रेनों की लोकेशन सटीक होगी, देरी और दुर्घटनाओं में कमी आएगी; रेलवे की डिजिटल क्रांति को नई गति

नई दिल्ली: हैदराबाद स्थित टेक्नोलॉजी कंपनी अवन्तेल लिमिटेड को भारतीय रेलवे के महत्वाकांक्षी रियल-टाइम ट्रेन ट्रैकिंग सिस्टम (RTTS) के लिए 460 करोड़ रुपये का बड़ा ठेका मिला है। यह सिस्टम पूरे देश में चल रही ट्रेनों की सटीक लोकेशन, गति और स्थिति की लगातार निगरानी करेगा।

रेल मंत्रालय के अनुसार, यह प्रोजेक्ट भारतीय रेलवे के डिजिटलीकरण और सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अवन्तेल सैटेलाइट-आधारित ट्रैकिंग डिवाइस, सॉफ्टवेयर और कंट्रोल सेंटर की स्थापना करेगी। नया सिस्टम मौजूदा कवच (Kavach) सिस्टम के साथ भी इंटीग्रेट किया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इस सिस्टम से ट्रेनों की देरी को कम किया जा सकेगा, दुर्घटना की आशंका घटेगी और यात्री अपनी ट्रेन की सटीक जानकारी मोबाइल ऐप पर प्राप्त कर सकेंगे। प्रोजेक्ट को 18-24 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

यह ठेका अवन्तेल के लिए अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है। कंपनी का ऑर्डर बुक इस घोषणा के बाद और मजबूत हो गया है। बाजार में खबर आने के बाद अवन्तेल के शेयर में तेजी देखी गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि रियल-टाइम ट्रेन ट्रैकिंग सिस्टम भारतीय रेलवे को विश्व स्तर के रेल नेटवर्क के करीब लाएगा और यात्री अनुभव को बेहतर बनाएगा। यह परियोजना 'आत्मनिर्भर भारत' और रेलवे के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेगी।

Kotak Mahindra Bank Fraud Case: Relationship Manager Dileep Raghav Arrested for Falsifying FD Reports

Senior executive allegedly created fake fixed deposit receipts worth over ₹85 crore; Bank files complaint after internal audit flags irregularities

Mumbai: The Mumbai Police have arrested Dileep Raghav, a senior Relationship Manager at Kotak Mahindra Bank, in connection with a major fraud case involving the creation of fictitious fixed deposit (FD) receipts. The accused is alleged to have fabricated FD documents worth more than ₹85 crore over the past 18 months.

According to the police complaint filed by Kotak Mahindra Bank, Raghav misused his position to issue fake FD certificates to several high-net-worth clients. The forged documents were allegedly used to secure loans against non-existent deposits or to mislead clients about their investments. The irregularities came to light during a routine internal audit last month when several FD accounts failed to reconcile with the bank's core banking system.

A senior bank official said, we have zero tolerance for any form of misconduct. As soon as the discrepancies were detected, we immediately initiated an internal investigation and approached the police. Full cooperation is being extended to the authorities.

The Economic Offences Wing (EOW) of Mumbai Police has registered a case under relevant sections of the Indian Penal Code for cheating, forgery, and criminal breach of trust. Preliminary investigations suggest that Raghav may have acted with the help of a few external accomplices. Police sources said the accused was produced before a local court and has been remanded in police custody for further questioning.

The incident has once again raised concerns about internal controls and employee oversight in private sector banks, especially in relationship management roles that deal directly with wealthy clients. Banking industry observers noted that while such cases are rare, they highlight the need for stronger real-time monitoring and segregation of duties.

Kotak Mahindra Bank has assured customers that all genuine deposits remain safe and that the fraud has not impacted the bank's overall financial health. The bank has also formed a special task force to review similar high-value FD accounts across branches.

Sh. Pradeep Karambelkar
Founder & Editor

Dr. Irshad Ahmad Khan
Sub-Editor

Sh. Pushpendra Singh
Marketing Officer

Dollar vs Rupee: How Currency Movements Are Shaping Indian Stocks

When we hear news that the rupee has weakened against the dollar, many people feel it does not affect them directly. But the movement of the US dollar and Indian rupee plays a very important role in shaping our stock market, prices of goods, and even company profits.

The dollar is the world's most powerful currency. International trade, oil payments, and global investments are mostly done in dollars. So, whenever the dollar becomes stronger, it creates pressure on emerging market currencies like the Indian rupee.

In recent times, whenever global tensions increase or the US economy performs strongly, investors shift money toward the dollar because it is considered safer. As a result, the rupee weakens. For example, if the rupee moves from ₹80 to ₹85 per dollar, it means India must pay more rupees to buy the same amount of oil or imported goods.

India imports nearly 85% of its crude oil needs. When the rupee weakens, oil becomes more expensive even if global oil prices remain stable. Higher oil prices increase transportation costs, which then raise the prices of food and daily-use items. This leads to inflation.

Now let us understand how this affects the stock market:

A weaker rupee is not always bad news. Some sectors benefit from it. For example, IT companies and pharmaceutical exporters earn a large part of their revenuein dollars. When the dollar strengthens, these companies receive more rupees for every dollar earned. This improves their profits. That is why sometimes IT stocks rise when the rupee falls.

On the other hand, companies that depend heavily on imports suffer. Airlines, oil marketing companies, and firms importing raw materials face higher costs when the rupee weakens. Their profit margins shrink, and their stock prices may come under pressure.

Foreign investors also react to currency movements. If the rupee weakens sharply, foreign investors may pull money out of Indian markets to avoid currency losses. This can lead to stock market volatility. However, strong domestic investment through SIPs and mutual funds has reduced India's dependence on foreign money compared to earlier years.

The Reserve Bank of India (RBI) plays an important role in managing sharp currency fluctuations. It uses foreign exchange reserves to reduce extreme volatility. A stable rupee builds investor confidence and supports economic growth.

Historically, currency movements have influenced markets significantly. During global crises like the 2008 financial crisis or the 2022 Russia–Ukraine conflict, the dollar strengthened sharply, and emerging markets faced pressure. However, India's strong economic fundamentals helped the market recover over time.

In simple words, the dollar and rupee relationship acts like a hidden force behind the stock market. Export-oriented sectors benefit from a weak rupee, while import-heavy sectors face challenges. For common investors, understanding currency trends helps in making better investment decisions.

In today's global world, what happens in the US or Europe affects Dalal Street. Currency movements may look technical, but they directly influence company profits, inflation, and market direction. That is why keeping an eye on the dollar–rupee equation is important for every investor.

Because in modern markets, it is not just company performance, but also currency strength that shapes the journey of Indian stocks.

Dr. Irshad Ahmod Khan
Sub-Editor

ईरान युद्ध से भारत में बीयर की कमी की आशंका: ग्लास बोतल और कैन बनाने वाले उद्योग पर असर

कच्चे माल की आपूर्ति बाधित होने से बोतल और कैन उत्पादन प्रभावित, ब्रूअर्स ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की

नई दिल्ली: ईरान-इजराइल युद्ध के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से भारत में बीयर उद्योग में गंभीर कमी की आशंका जताई जा रही है। देश के प्रमुख ब्रूअर्स ने चेतावनी दी है कि ग्लास बोतल और एल्युमिनियम कैन बनाने वाले उद्योग पर गहरा असर पड़ा है, जिससे बीयर की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है।

ऑल इंडिया ब्रूअर्स एसोसिएशन (AIBA) के अनुसार, बोतल और कैन निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल खासकर सोडा ऐश, सिलिका सैंड और एल्युमिनियम की आपूर्ति में रुकावट आई है। ईरान क्षेत्र से आने वाले कई केमिकल्स और ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने के कारण उत्पादन लागत 15-20% तक बढ़ गई है और कई यूनिट्स में उत्पादन कम हो गया है।

बीयर उद्योग के प्रमुख अधिकारियों ने कहा कि अगर स्थिति दो-तीन महीने और बनी रही तो मार्च-अप्रैल में बीयर की भारी कमी देखने को मिल सकती है। वर्तमान में भारतीय बीयर बाजार सालाना 8-10% की दर से बढ़ रहा है और त्योहारी सीजन के बाद भी मांग मजबूत बनी हुई है।

AIBA के अध्यक्ष ने सरकार से अपील की है कि ग्लास और पैकेजिंग उद्योग को प्राथमिकता पर कच्चा माल और LPG उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, वैकल्पिक आयात स्रोतों से तेजी से माल मंगवाने में मदद की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय पर कदम नहीं उठाए गए तो न सिर्फ बीयर उद्योग, बल्कि इससे जुड़े लाखों रोजगार भी प्रभावित होंगे।

विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर पैकेजिंग सामग्री की कीमतें बढ़ रही हैं, जिसका सीधा असर भारतीय उपभोक्ता बाजार पर पड़ रहा है। सरकार इस मुद्दे पर ब्रूअर्स और पैकेजिंग उद्योग के साथ लगातार बैठकें कर रही है।

Israel-Iran War: Pidilite to Absorb Some Price Pressures, Expects Profit Margins to Stay Within Target Band

Adhesives major confident of maintaining 18-20% EBITDA margin despite rising petrochemical costs; Focus on cost control and premiumisation to offset impact

Bhopal: Pidilite Industries, India's leading adhesives and sealants company, has said it will partially absorb the recent spike in raw material costs triggered by the Israel-Iran conflict and expects its profit margins to remain comfortably within the targeted band.

In an investor update, the company acknowledged that prices of key petrochemical derivatives including VAM (vinyl acetate monomer), solvents, and packaging materials have risen 12-18% in the past few weeks due to supply disruptions and higher crude oil prices. However, Pidilite's management expressed confidence that strong operational efficiencies, premium product mix, and selective price increases would help protect profitability.

We will absorb a part of the cost increase to maintain market share and customer confidence. Our focus remains on delivering consistent performance with EBITDA margins staying between 18% and 20%, said a senior company executive.

Pidilite's strong brand portfolio, including Fevicol, Fevikwik, M-Seal, and Dr. Fixit, gives it significant pricing power in the consumer and construction segments. The company has also accelerated its move towards value-added and premium products, which enjoy better margins and relatively lower raw material sensitivity.

Analysts noted that Pidilite's backward integration in certain raw materials and efficient supply chain management have historically helped it navigate commodity cycles better than peers. The company is also expanding its manufacturing footprint and investing in automation to further reduce costs.

Despite the current geopolitical tensions, Pidilite remains optimistic about demand recovery in the construction and real estate sectors in the second half of FY26. Rural demand is also expected to improve with a good rabi harvest.

Shares of Pidilite Industries rose on BSE, as investors appreciated the company's measured and confident stance amid global uncertainty.

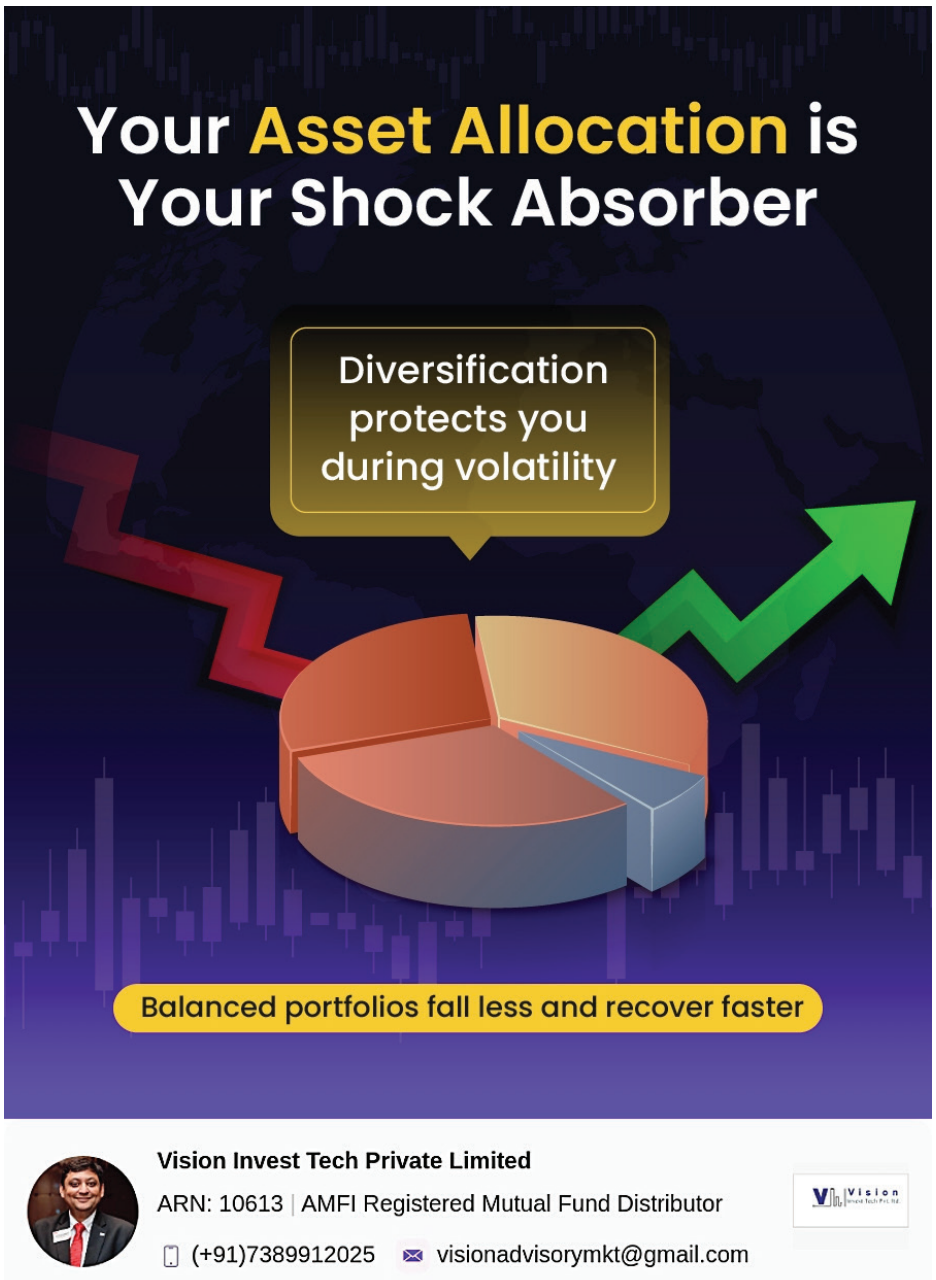

REC Ltd Approves ₹1.6 Lakh Crore Market Borrowings for FY27

Power financing major ramps up fundraising plan to support massive capex in transmission and renewable energy sectors

Mumbai: REC Ltd, one of India's largest power financing companies, has approved a massive ₹1.6 lakh crore market borrowing programme for the financial year 2026-27. The board of directors cleared the proposal during its meeting held on Thursday, signalling the company's aggressive plans to fund the country's growing power infrastructure needs.

The borrowings will primarily be raised through a mix of domestic bonds, commercial papers, and foreign currency loans. REC has indicated that a significant portion of these funds will be deployed towards financing new transmission projects, renewable energy initiatives, and modernisation of distribution networks across states.

REC Chairman and Managing Director Vivek Kumar Dewangan said, "The ₹1.6 lakh crore borrowing plan reflects our strong commitment to support the government's ambitious target of 500 GW non-fossil fuel capacity by 2030. We expect healthy demand for funds from both public and private sector players in the power value chain."

With the country witnessing rapid addition of renewable energy projects and the need for strengthening the national grid, REC's role as a key financier has become even more critical. The company has already sanctioned over ₹4.5 lakh crore in loans in the last three years, with a major focus on green energy financing.

Analysts believe the large borrowing programme is timely, as it will help REC maintain its market leadership in the power financing space while keeping its cost of funds competitive. The company enjoys one of the strongest credit ratings among NBFCs, which allows it to borrow at attractive rates.

The ₹1.6 lakh crore plan is significantly higher than REC's borrowing in the current fiscal, reflecting the expected surge in power sector capex in the coming years. Market participants will closely watch REC's fundraising strategy, especially its mix of rupee and foreign currency debt, amid global interest rate movements.

LPG Crisis Sours India's AC Industry as Production Costs Jump Sharply: Nuvama

Shortage of LPG and petrochemical derivatives forces manufacturers to cut shifts and consider price hikes; Summer season outlook turns cautious

Pune: India's air conditioner industry is facing significant headwinds due to an acute shortage of LPG and rising petrochemical costs, leading to a sharp increase in production expenses, according to a report by brokerage firm Nuvama Institutional Equities.

The report highlights that LPG, a critical input for manufacturing processes and a feedstock for several key chemicals used in AC production, has become scarce and expensive following supply disruptions linked to geopolitical tensions in West Asia. As a result, input costs for major AC manufacturers have risen by 12-18% in the last two months.

Nuvama noted that companies such as Voltas, Blue Star, LG, Daikin, and Carrier are struggling with higher costs of copper tubes, aluminium fins, compressors, and insulation foam. Several manufacturers have already started operating with reduced shifts, and some are actively considering price increases of 6-10% ahead of the crucial summer season.

While demand remains strong due to rising temperatures and increasing penetration, the LPG crisis is squeezing margins and may lead to supply constraints, the report stated. "If the shortage persists into March-April, the industry could see production cuts of 10-15%."

The AC industry, which is expected to sell close to 10 million units this year, is highly sensitive to cost fluctuations. Higher prices could dampen demand, especially in price-sensitive Tier-2 and Tier-3 markets where affordability plays a key role.

Industry bodies have urged the government to ensure priority allocation of domestic LPG to manufacturing units and facilitate faster clearance of imported alternatives. The situation is being closely monitored by the Ministry of Petroleum and Natural Gas.

Analysts believe that unless supply normalises quickly, the LPG crisis could significantly impact the industry's profitability in the fourth quarter of FY26.

Health Insurance Records Strong Growth Momentum with Premiums Crossing ₹1.2 Lakh Crore in FY25

Sector posts 22% year-on-year growth; Rising awareness, Ayushman Bharat expansion, and corporate covers drive surge in demand

Ludhiana: India's health insurance sector continued its robust growth trajectory in FY25, with gross written premiums crossing the ₹1.2 lakh crore mark for the first time. According to data released by the Insurance Regulatory and Development Authority of India (IRDAI), the segment registered a healthy 22% year-on-year growth, significantly outpacing the overall non-life insurance industry.

Industry experts attribute this strong performance to multiple factors: increasing health awareness post-pandemic, wider adoption of corporate group health policies, expansion of government-backed schemes like Ayushman Bharat, and a rising preference for comprehensive family floater plans. The retail health insurance segment, in particular, saw accelerated growth as more middle-class households opted for higher sum insured covers ranging from ₹10 lakh to ₹1 crore.

Private general insurance companies led the charge, contributing nearly 68% of the total health insurance premiums. Standalone health insurers also posted impressive numbers, with some players reporting over 30% growth. Public sector insurers maintained steady growth but trailed their private counterparts in terms of market share.

The average claim ratio for the industry stood at 68%, indicating healthy underwriting performance despite rising healthcare costs. However, concerns remain around increasing fraud cases and the need for better fraud detection mechanisms.

IRDAI Chairman highlighted that the penetration of health insurance in India is still below 35% of the population, leaving significant headroom for future growth. He urged insurers to focus on affordable micro-insurance products and innovative wellness-linked policies to deepen penetration in tier-2 and tier-3 cities.

With India's healthcare expenditure expected to rise sharply in the coming years due to an ageing population and lifestyle diseases, analysts predict the health insurance market could reach ₹2 lakh crore by FY28. The strong FY25 performance has boosted investor sentiment, with several insurance stocks showing positive movement in recent trading sessions.

Kotak Mahindra Bank Fraud Case: Relationship Manager Dileep Raghav Arrested for Falsifying FD Reports

Senior executive allegedly created fake fixed deposit receipts worth over ₹85 crore; Bank files complaint after internal audit flags irregularities

Mumbai: The Mumbai Police have arrested Dileep Raghav, a senior Relationship Manager at Kotak Mahindra Bank, in connection with a major fraud case involving the creation of fictitious fixed deposit (FD) receipts. The accused is alleged to have fabricated FD documents worth more than ₹85 crore over the past 18 months.

According to the police complaint filed by Kotak Mahindra Bank, Raghav misused his position to issue fake FD certificates to several high-net-worth clients. The forged documents were allegedly used to secure loans against non-existent deposits or to mislead clients about their investments. The irregularities came to light during a routine internal audit last month when several FD accounts failed to reconcile with the bank's core banking system.

A senior bank official said, we have zero tolerance for any form of misconduct. As soon as the discrepancies were detected, we immediately initiated an internal investigation and approached the police. Full cooperation is being extended to the authorities.

The Economic Offences Wing (EOW) of Mumbai Police has registered a case under relevant sections of the Indian Penal Code for cheating, forgery, and criminal breach of trust. Preliminary investigations suggest that Raghav may have acted with the help of a few external accomplices. Police sources said the accused was produced before a local court and has been remanded in police custody for further questioning.

The incident has once again raised concerns about internal controls and employee oversight in private sector banks, especially in relationship management roles that deal directly with wealthy clients. Banking industry observers noted that while such cases are rare, they highlight the need for stronger real-time monitoring and segregation of duties.

Kotak Mahindra Bank has assured customers that all genuine deposits remain safe and that the fraud has not impacted the bank's overall financial health. The bank has also formed a special task force to review similar high-value FD accounts across branches.

बिजली मंत्रालय ने आयातित कोयले आधारित प्लांट्स को 1 अप्रैल से पूर्ण क्षमता पर चलाने का निर्देश दिया

गर्मियों में बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए महत्वपूर्ण कदम; बिजली संकट से निपटने के लिए कोयला आयात बढ़ाने का फैसला

नई दिल्ली: बिजली मंत्रालय ने आयातित कोयले पर आधारित थर्मल पावर प्लांट्स को 1 अप्रैल 2026 से पूर्ण क्षमता (100%) पर चलाने का निर्देश जारी किया है। यह फैसला आगामी गर्मियों में बिजली की तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए लिया गया है।

मंत्रालय ने सभी संबंधित प्लांट मालिकों और राज्य बिजली कंपनियों को पत्र लिखकर स्पष्ट निर्देश दिया है कि 1 अप्रैल से लेकर सितंबर तक ये प्लांट अपनी पूरी क्षमता के साथ बिजली उत्पादन करें। वर्तमान में कई आयातित कोयला आधारित प्लांट्स 60-70% क्षमता पर ही चल रहे हैं, जिससे कुल बिजली उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

सरकार का अनुमान है कि मार्च से जून के बीच बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकती है। देश में बढ़ते तापमान, एयर कंडीशनर और कूलर की बढ़ती खपत तथा औद्योगिक गतिविधियों के कारण पीक डिमांड 250 गीगावॉट से ऊपर जाने की आशंका है।

बिजली मंत्री ने कहा, आयातित कोयले वाले प्लांट्स को पूर्ण क्षमता पर चलाने से ग्रीष्मकालीन बिजली संकट को काफी हद तक रोका जा सकेगा। हमने कोयला आयात के लिए आवश्यक विदेशी मुद्रा और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था भी सुनिश्चित कर ली है।

उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम समय पर लिया गया है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि आयातित कोयले की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊंची हैं, जिससे बिजली उत्पादन की लागत बढ़ सकती है।

मंत्रालय ने सभी प्लांट्स से कहा है कि वे अप्रैल से पहले पर्याप्त मात्रा में आयातित कोयला स्टॉक कर लें ताकि कोई कमी न रहे। यह निर्देश देश की ऊर्जा सुरक्षा और निरंतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस्पात मंत्रालय ने LPG आपूर्ति पर उद्योग की चिंता जताई

इस्पात और इंजीनियरिंग यूनिट्स में उत्पादन बाधित, LPG की कमी से लागत बढ़ी; मंत्रालय ने पेट्रोलियम मंत्रालय से तत्काल राहत की मांग की

नई दिल्ली: इस्पात मंत्रालय ने देश के इस्पात और इंजीनियरिंग उद्योग में LPG की भारी कमी को लेकर गहरी चिंता जताई है। मंत्रालय ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को पत्र लिखकर तत्काल LPG आपूर्ति बढ़ाने और प्राथमिकता आधार पर आवंटन सुनिश्चित करने की अपील की है।

उद्योग जगत के अनुसार, पिछले एक महीने में LPG की उपलब्धता में 25-30% की कमी आई है, जिससे भट्टियों और फर्नेस का संचालन प्रभावित हो रहा है। इससे इस्पात पुनर्चक्रण (सेकेंडरी स्टील), पाइप, वायर और अन्य इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स के उत्पादन पर सीधा असर पड़ रहा है। कई छोटी-मध्यम इकाइयों (MSME) को एक या दो शिफ्ट पर काम करना पड़ रहा है, जिससे उत्पादन 15-20% तक घट गया है।

इस्पात मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, LPG इस्पात उद्योग के लिए बहुत महत्वपूर्ण ईंधन है।

वर्तमान कमी से न सिर्फ उत्पादन प्रभावित हो रहा है, बल्कि लागत भी बढ़ रही है। हमने पेट्रोलियम मंत्रालय से आग्रह किया है कि इस्पात और इंजीनियरिंग यूनिट्स को प्राथमिकता दी जाए।

ऑल इंडिया स्टील री-रोलर्स एसोसिएशन और इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ने भी सरकार से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि यदि LPG संकट जारी रहा तो मार्च तक कई छोटी यूनिट्स बंद होने की स्थिति आ सकती है, जिससे हजारों मजदूरों की रोजी-रोटी प्रभावित होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान-इजराइल तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर LPG और पेट्रोकेमिकल्स की आपूर्ति प्रभावित हुई है। सरकार अब रूस और अमेरिका जैसे वैकल्पिक स्रोतों से आयात बढ़ाने के साथ-साथ घरेलू उत्पादन को भी बढ़ावा देने की योजना बना रही है।

MPBIL/2013/49052
INVESTMENT AVENUES®
(इन्वेस्टमेंट एवेनयुस)
(A Publication of Vision Invest Tech Pvt. Ltd.)

INVESTMENT AVENUES
CALL FOR ARTICLES
Share Your Knowledge with INVESTMENT AVENUES
We invite individual, professionals, and entrepreneurs to contribute their expertise and experiences.
- STOCK MARKET
- MUTUAL FUNDS
- REAL ESTATE
- STARTUPS & ENTREPRENEURSHIP

Guidelines:
1. Article must be original
2. Submit in MS Word format
3. Length should not exceed 500 words

editor@investmentavenues.in
write with us, inspire others, and make your voice heard in the world of investments!

INVESTMENT AVENUES®
Looking To Invest In Real Properties & Valued Businesses In BhopaL
Discover genuine real estate and well-assessed business opportunities — safe-to-invest and growth-oriented.
Secure Deals. Smart Investments.
EMAIL: INVESTMENTAVENUES90@GMAIL.COM
CONTACT: +91 73899 26586

WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anil.stockcare@gmail.com

AII level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

• As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
• If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1
• If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
• Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
• If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
• If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock Name	closing	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	22820	24360	23913	23366	22919	22372	21925	21378
BANK NIFTY	52275	56661	55404	53839	52582	51017	49760	48195
SENSEX	73583	78728	77289	75436	73997	72144	70705	68852
FINNIFTY	24373	26409	25811	25092	24494	23775	23177	22458
MIDCAP	12517	13601	13234	12875	12508	12149	11782	11423
ACC	1311	1438	1410	1361	1333	1284	1256	1207
AXISBANK	1204	1314	1277	1240	1203	1166	1129	1092
ABCAPITAL	306	345	331	319	305	293	279	267
BHARTIARTL	1850	1952	1904	1877	1829	1802	1754	1727
BHEL	255	283	275	265	257	247	239	229
BIOCON	371	397	390	380	373	363	356	346
BEL	406	437	429	418	410	399	391	380
CDSL	1169	1323	1276	1223	1176	1123	1076	1023
DATAPATTERN	3151	3653	3498	3324	3169	2995	2840	2666
ESCORTS	2842	3168	3100	2971	2903	2774	2706	2577
EICHERMOTOR	6799	7440	7256	7028	6844	6616	6432	6204
FEDERAL BANK	271	300	287	279	266	258	245	237
GRINFRAPOJECT	800	1004	962	881	839	758	716	635
HDFCBANK	758	842	819	788	765	734	711	680
HCLTECH	1362	1513	1462	1412	1361	1311	1260	1210
HINDUNILVR	2075	2264	2210	2142	2088	2020	1966	1898
HAL	3585	3892	3828	3706	3642	3520	3456	3334
HYUNDAI	1805	2037	1989	1897	1849	1757	1709	1617
IOC	137	147	145	141	139	135	133	129
ICICIBANK	1238	1323	1298	1268	1243	1213	1188	1158
INFY	1268	1371	1334	1301	1264	1231	1194	1161
ITC	294	310	305	299	294	288	283	277
KOTAKBNK	367	401	390	378	367	355	344	332
LICHOUSING	507	579	546	526	493	473	440	420
LT	3570	4096	3878	3724	3506	3352	3134	2980
LUPIN	2334	2464	2417	2375	2328	2286	2239	2197
MARUTI	12411	13203	12992	12701	12490	12199	11988	11697
M&M	3044	3393	3275	3160	3042	2927	2809	2694
MGL	939	1073	1030	985	942	897	854	809
MAZGAONDOC	2161	2413	2360	2261	2208	2109	2056	1957
PFC	396	433	421	409	397	385	373	361
RECLTD	319	348	338	329	319	310	300	291
RELIANCE	1348	1490	1461	1404	1375	1318	1289	1232
SBIN	1019	1105	1086	1052	1033	999	980	946
SUNPHARMA	1789	1901	1860	1824	1783	1747	1706	1670
SHRIRAMFINANCE	903	1050	1008	955	913	860	818	765
TITAN	3972	4376	4237	4104	3965	3832	3693	3560
TCS	2388	2520	2477	2433	2390	2346	2303	2259
TATAMOTORS	302	337	329	316	308	295	287	274
UPL	594	659	646	620	607	581	568	542
VALIENT	215	303	284	249	230	195	176	141
WIPRO	191	198	195	193	190	188	185	183

स्पेसटेक स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने 7 दिनों में 3D प्रिंट किया बूस्टर इंजन, साल में 30 लॉन्च का लक्ष्य

भारतीय स्पेस इंडस्ट्री में नई क्रांति, रॉकेट इंजन बनाने का रिकॉर्ड समय; अग्निकुल अब छोटे सैटेलाइट्स के लिए सस्ते और तेज लॉन्च ऑफर करेगा

चेन्नई: भारतीय स्पेसटेक स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने मात्र 7 दिनों में अपने रॉकेट के बूस्टर इंजन को 3D प्रिंटिंग तकनीक से सफलतापूर्वक तैयार कर लिया। यह उपलब्धि भारतीय निजी स्पेस सेक्टर में अब तक की सबसे तेज इंजन मैन्युफैक्चरिंग का रिकॉर्ड है।

अग्निकुल कॉसमॉस के फाउंडर और सीईओ श्रीनिवासन राघवन ने बताया कि कंपनी का लक्ष्य 2027 तक साल में 30 छोटे और मध्यम आकार के सैटेलाइट लॉन्च करना है। 3D प्रिंटिंग तकनीक के इस्तेमाल से इंजन बनाने का समय और लागत दोनों काफी कम हो गए हैं। पारंपरिक तरीके से ऐसे इंजन बनाने में कई महीने लगते थे।

कंपनी ने अपने 'अग्निबान' रॉकेट के लिए सेमी-क्रायोजेनिक इंजन विकसित किया है, जिसे पूरी तरह 3D प्रिंटिंग से बनाया गया है। यह इंजन छोटे सैटेलाइट्स को लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) में भेजने के लिए डिजाइन किया गया है। अग्निकुल का दावा है कि यह तकनीक न सिर्फ तेज है बल्कि ज्यादा विश्वसनीय और कम खर्चीली भी है।

इस उपलब्धि से भारतीय स्पेस स्टार्टअप्स को नई उम्मीद मिली है। इसरो के साथ मिलकर काम कर रही अग्निकुल अब निजी क्षेत्र में छोटे लॉन्च व्हीकल्स का प्रमुख खिलाड़ी बनने की राह पर है। कंपनी ने हाल ही में श्रीहरिकोटा से अपना पहला सब-ऑर्बिटल टेस्ट फ्लाइट सफलतापूर्वक पूरा किया था।

विशेषज्ञों का मानना है कि 3D प्रिंटेड इंजन तकनीक से भारत स्पेस लॉन्च सेवाओं में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकता है। अग्निकुल का लक्ष्य 2030 तक 100 से अधिक लॉन्च पूरा करना है।

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.

प्रकाशक एवं मुद्रक: प्रदीप कारबेलकर, सी-101, नेहरू नगर स्वत्वाधिकार द इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज प्रा.लि., इ-4, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, मध्य प्रदेश 462016, से प्रकाशित एवं DigitalLok, सागर हाई स्ट्रीट, अयोध्या बायपास रोड, डी मार्ट के पास, भोपाल, (म.प्र.) - 462010। संपादक: प्रदीप कारबेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा)। फोन: +9198262 23075 वेबसाइट: www.investmentavenues.in